

## श्रम विभाग

## स्राहेश

## दिनांक 29 सितम्बर, 1983

सं० ग्रो.वि./करनाल/55-73/52588.—भूं कि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मैसर्ज सुपर वैल प्रा० लि०, करनाल (II) सुपर रवड़ इंटरप्राईजिज, करनाल के श्रमिक श्री हफीज उल्लाह तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रौद्योगिक विवाद है:

भीर चूं कि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते है;

इसिलए, श्रंब, श्रौद्योगिक विवाद श्रिष्ठिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-श्रारा (I) के खंड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके के द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 7-क के श्रिष्ठिन श्रौद्योगिक श्रिष्ठिकरण, हरियाणा फरीदाबाद को नीचे निर्दिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रीमक तथा प्रबन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री हफीज उल्लाह की सेवाम्नों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ग्रो.वि./करनाल/32-83/52595.—चूं कि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि हरियाणा राज्य परिवहन. करनाल के श्रमिक श्री कर्म बीर तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूं कि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निविष्ट करना बांछनीय समझते है;

इसलिए, ग्रन्न, श्रीद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 की घारा 10 की उप-घारा (I) के खण्ड (घ) द्वारा प्रधान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त ग्रधिनियय की धारा 7-क के ग्रधीन श्रीद्योगिक ग्रधिकरण, हरियाणा फरीदाबाद को नीचे निर्दिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रमिक तथा प्रबन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री कर्म बीर की सेवामों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो व**ह किस राह**त क<sup>ा</sup> हकदार हैं ?

सं श्रो वि/करनाल / 56-83 / 5260 1. — चूं कि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मैसर्ज धजन्ता रबड़ बी. बैल्टस उचानी जी विशेष रोड, करनाल के श्रीमक श्री राम चन्द्र यादव तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई भौद्योगिक विवाद है:

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निद्दिष्ट करना वांछनीय समझते है;

इसलिए, ग्रंब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिविनयम, 1947 की द्वारा 10 की उप-वारा (।) के खंड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त ग्रिविनयम की धारा 7-क के ग्राधीन ग्रौद्योगिक ग्रीविकरण हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे निर्दिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रीमक तथा प्रबन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं।

क्या श्री राम चन्द्र यादव की सेवाभ्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहुत का हुकदार है ?